**6. किरायेदार के एक प्रतिभू के विरुद्ध बकाया किराया की वसूली के लिए वाद।**

............... न्यायालय

वाद सं..................... सन् २०२१

**अबक**  ........ वादी

बनाम

**कखग**  ......... प्रतिवादी

**ऊपर नामित किया गया वादी निम्नलिखित रूप में अतिसादरपूर्वक निवेदन करता है -**

1. यह कि उसने तारीख .................... को .................... रुपये के एक मासिक किराये पर पश्चात् कथित से वादी का .................... में स्थित भवन सं. .................... के द्वितीय फर्श में दो कमरे एवम् एक रसोई घर भाड़े पर लिया और .................... प्रतिवादी किराये का भुगतान के लिए प्रतिभू हो गया यदि तीन महीने से अधिक के लिए देय हो गया हो और ....................द्वारा संदाय नहीं किया गया हो।
2. यह कि **कखग** ....................रुपये के बराबर होने के बराबर होने वाला तारीख .................... से .................... से प्रारम्भ होने वाले अंतिम छः महीने के लिए किराये का संदाय नहीं किया है और न तो .................... और न ही .................... तारीख ....................एवम् तारीख ....................को ....................द्वारा प्राप्त की नोटिस के बावजूद भी उसका संदाय किया है और इस न्यायालय के पास वाद का विनिश्चय करने की अधिकारिता होती है।
3. यह कि वाद का .................... से देय बकाया किराया की रकम .................... रुपये पर मूल्यांकन किया जाता है और न्यायालय फीस का उस पर संदाय किया जाता है।

**दावाकृत अनुतोष**

वादी देय तो गये किराये तथा वादकालीन किराया के कारण ............ रुपये के संदाय का दावा करता है।

वादी

जरिये अधिवक्ता

**सत्यापन**

मैं ऊपर नामित वादी, एतद् द्वारा सत्यापित करता हूँ, कि वादपत्र के पैरा ............. ...... ...... ........... .... .. लगायत .................................. की अन्तर्वस्तु मेरी व्यक्तिगत जानकारी में सत्य है और ................................... पैरा के वे सभी तथा उसका.......... उस विधिक सलाह पर आधारित है। जिसे मैं सत्य होने का विश्वास करता हूँ।

मैं इस दिनांक ....... को सत्यापित किया गया।

वादी